B.Ed. IInd Year 2020
Paper Code :- E-401
Name of the Paper :- ASSESSMENT for LEARNING.

Unit V

Topic :- Correlation (सहसम्बन्ध)

DR. K.C. GAUR
Head (Faculty of Education)
D.P.B.S.P.G. College ASR.
BSR.

सहसम्बन्ध (Correlation)

दो चरों (Variables) में पाये जाने वाले सम्बन्ध को सह-सम्बन्ध कहते हैं।
कोरिलेशन शब्द (correlation) की उत्पत्ति को-रिलेशन (co-relation) से हुई, जिसका अर्थ है- पारस्परिक सम्बन्ध।
अर्थात् जब दो चर राशियाँ एक दूसरे से इस प्रकार सम्बन्धित हों कि एक राशि के बढ़ने से दूसरी राशि भी बढ़े अथवा घटे तथा इसके विपरीत, एक राशि के घटने से दूसरी राशि भी घटे अथवा बढ़े, तब ऐसी स्थिति में हम कह सकते हैं कि इन दोनों राशियों के मध्य सहसम्बन्ध है।
जैसे — (i) एक सीमा तक जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति की ऊँचाई भी बढ़ती है। अतः आयु एवं ऊँचाई में सहसम्बन्ध है।
(ii) माँग (Demand) के साथ-साथ महंगाई बढ़ती है तथा माँग कम होने पर वस्तु सस्ती हो जाती है। वस्तु की पूर्ति (Supply) बढ़ने से दाम में गिरावट आती है। यहाँ माँग एवं महंगाई तथा पूर्ति एवं दाम में सह सम्बन्ध है।
(iii) अभ्यास से कार्य करने की दक्षता बढ़ती है। अतः अभ्यास एवं दक्षता में सह सम्बन्ध है।
(iv) मनोवैज्ञानिकों के अनुसार (Frustration) के बढ़ने से व्यक्ति की आक्रामक प्रवृत्ति बढ़ जाती है। इस प्रकार यहाँ भग्नाशा एवं आक्रामक प्रवृत्ति में सह सम्बन्ध है।

(P.T.O.)

Scanned with CamScanner

सहसम्बन्ध का अर्थ (Meaning of Co-rrelation)

सहसम्बन्ध का अर्थ दो वस्तुओं, समूहों अथवा घटनाओं के आपसी सम्बन्ध से लिया जाता है, परन्तु सांख्यिकी में सहसम्बन्ध से तात्पर्य किसी वस्तु, समूह अथवा घटना के दो या दो से अधिक चरों (Variables) के बीच पाये जाने वाले सम्बन्धों से होता है।

इसके अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए विभिन्न विद्वानों ने अलग-अलग अपने विचार प्रस्तुत किए जो इस प्रकार हैं:-

1. आर. सी. लेथरप:- (R.C.Lathrop): के अनुसार:- "सह-सम्बन्ध से दो चरों में पाये जाने वाले संयुक्त सम्बन्ध (Joint-relation) का पता लगता है।"[1]

2. फरग्यूसन के अनुसार (Forguson):- "सह सम्बन्ध का उद्देश्य दो चरों में पायी जाने वाली सम्बन्ध की मात्रा का पता लगाना होता है।"[2]

3. डब्ल्यू एल. समनेर (W. L. Sumner) के अनुसार:- "सहसम्बन्ध मनोवैज्ञानिक परीक्षक के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि एक रसायनशास्त्री के लिए उसकी तराजू।"[3]

4. मन (Munn) के अनुसार:- "सह सम्बन्ध दो चरों के बीच सन्निकटता के स्तर का एक सांख्यिकीय माप है।"[4]

---

1. "Co-rrelation indicates a Joint relationship between two Variables." (R.C.Lathrop).
2. "Co-rrelation is concerned with describing the degree of relationship between variables." (Ferguson).
3. "The co-efficient of co-rrelation is almost as important to the Psychological tester as in the balance to the chemist." (W.L.Sumner)
4. "Co-rrelation is a statistical measure of the degree of association between two Variables." (Munn).

Scanned with CamScanner

गिलफोर्ड (J.P. Guilford) के अनुसार :-

"सहसम्बन्ध गुणांक वह एक संख्या है, जो यह बताता है कि दो वस्तुएं किस सीमा तक सम्बन्धित हैं, कि एक में होने वाले विचलन का दूसरे विचलनों पर किस सीमा तक प्रभाव पड़ता है।"1

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि— "सहसम्बन्ध से तात्पर्य किसी वस्तु, समूह अथवा घटना के एक चर में होने वाले परिवर्तन से दूसरे चर में होने वाले परिवर्तन से होता है।"

सहसम्बन्ध के प्रकार
(Kinds of Co-rrelation)

सहसम्बन्ध मुख्यतः दो प्रकार का होता है :-

1. मात्रात्मक (Quantitative).

2. गुणात्मक (Qualitative).

मात्रात्मक सहसम्बन्ध के अन्तर्गत तीन सहसम्बन्ध क्रमशः ऋणात्मक, शून्य तथा धनात्मक आते हैं जबकि गुणात्मक सहसम्बन्ध के अन्तर्गत क्रमशः रेखीय तथा वक्रात्मक सहसम्बन्ध आते हैं। इसे एक रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है :—

---

1. "A co-efficient of Co-relation is a single number that tells us to what extent two things are related to what extent variations in the one go with the variation in the other."

(J.P. Guilford).

P.T.O.

Scanned with CamScanner